हाथों में मिली डिग्री, तो चेहरे पर दिखी विजयी मुस्कान

आइआइएम रांची का 7वां दीक्षा समारोह : 134 छात्रों को पीजीडीएम तो 51 को पीजीडीएचआरएम और 37 को मिली पीजीईएक्सपी की डिग्री

जासं, रांची : चेहरे पर मुस्कान, हौसले की उड़ान। गुरुवार का दिन आइआइएम रांची के विद्यार्थियों के लिए खास रहा। भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) रांची का सातवां दीक्षा समारोह बुधवार शाम खेलगांव स्थित डॉ. राम दयाल मुंडा कला सभागार में संपन्न हुआ। दीक्षा समोराह में आइसीएस ग्रुप के चेयरमैन दीपक प्रेमनारायण व एशियन पेंट्स के जलज अश्विन दानी उपस्थित रहे। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जिसके बाद आइआइएम रांची के निदेशक ने सभी का स्वागत किया। समारोह में आइआइएम रांची के चेयरमैन प्रवीण शंकर पांड्या ने पीजीडीएम के 134, पीजीडीएचआरएम के 51 व पीजीइएक्सपी के 37 विद्यार्थियों को डिप्लोमा प्रदान किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि पढ़ाई करने के बाद डिग्री मिली है, उससे आप अपने भविष्य की शुरुआत कर सकते हैं।

आइआइम रांची के लिए यह है ऐतिहासिक दिन : आइआइएम रांची के निदेशक शैलेंद्र सिंह ने कहा की यह दीक्षा समारोह एक ऐतिहासिक दिन है ,क्योंकि पहली बार इस साल एफपीएम डिग्री प्रदान की जा रही है, ह्यालांकि यह प्रोग्राम 6 साल पुराना है, साथ ही 31 जनवरी 2018 के बाद से आइआइएम का सिस्टम बदला है। इस साल दीक्षा समारोह में कुल 222 विद्यार्थियों को उपाधि मिली, जिसमें से 9 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

व्यापार की तरफ रुख करें विद्यार्थी : मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए दीपक प्रेमनारायण ने रांची को संभावना से भरा शहर करार दिया। उन्होंने कहा रांची जैसे शहर सबसे तेजी से प्रगति करने वाले शहरों में शामिल हैं, यहां व्यापार करने के बारे में भी विद्यार्थी सोच सकते हैं।

मृतक छात्र के परिजनों ने ली उपाधि : आइआइएम के विद्यार्थी शरद अग्रवाल एफपीएम का प्रोग्राम कर रहे थे। जिनकी मृत्यु हो चुकी थी उनके माता पिता ने इस समारोह में आकर उनकी उपाधि ली और इस दौरान उनके आंखों में अपने बेटे को खोने का गम साफ नजर आ रहा था। आइआइएम की विद्यार्थी ईशा अग्रवाल दिव्यांग हैं वह चलने में असमर्थ हैं लेकिन इसके बावजूद उन्होंने सफलता अर्जित की। ईशा कहती हैं की कोशिश की जाए तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है।

आइआइएम रांची के दीक्षा समारोह में दिव्यांग छात्रा ईशा अग्रवाल को डिग्री देते हुए प्रो . शैलेंद्र सिंह , दीपक प्रेम नारायण, जलज अश्विन दानी, प्रवीण शंकर पांड्या व सभी गोल्ड मेडलिस्ट विद्यार्थी • जागरण

क्या कहते हैं गोल्ड मेडलिस्ट

मैंने कभी नहीं सोचा था की मैं आइआइएम से मैनेजमेंट का कोर्स कर पाउंगा, आजकल का समय व्यापार और प्रबंधन से संबंधित है और आज डिग्री पाकर बेहद खुश हूं।

रण विजय, पीजीडीएम

प्रबंधन एक ऐसा क्षेत्र है जिसे हर इंसान अपने दैनिक जीवन में कर रहा है किसी न किसी रूप में, और इसी प्रबंधन की पढ़ाई हम यहां करते हैं। बिना मेहनत कोई भी चीज मुमकिन नहीं है ।

कार्तिक के, पीजीडीएचआरएम

मैंने कभी नहीं सोचा था की मुझे गोल्ड मेडल मिलेगा, मैंने जब आइआइएम में एडमिशन लिया था तब मुझे एचआरएम में बिल्कुल भी इंटरेस्ट नहीं था और शुरू शुरू में मेरे प्वाइंट्स भी बहुत काम आते थे।

नेहा गुप्ता, पीजीडीएचआरएम

मैं आइआइएम में स्ट्रेटेजी मैनेजमेंट करने ही आया था और मुझे उसी सब्जेक्ट में गोल्ड मेडल भी मिल गया। यह सपने से काम नहीं है।

कीर्तन, पीजीडीएम

गोल्ड मेडल मिलना किसी सपने से कम नहीं था और इसके साथ ही आइआइएम में पढ़ना भी। यहां अच्छे और ज्ञानी प्रोफेसर पढ़ाने आते हैं ।

गौतमी, पीजीडीएम

आइआइएम में पढ़ना तो सपने से कम नहीं ही था साथ ही प्लेसमेंट से भी मैं खुश हूं, कई पब्लिक सेक्टर की कंपनियां भी प्लेसमेंट के लिए आई।

गौरव घोष, पीजीडीएचआरएम

आइआइएम की अच्छी बात है कि वह एग्जीक्यूटिव कोर्सेज भी कराता है और आज के मार्केट की मांग के अनुसार तैयारी करवाई जाती है। **कुमार संजय सवर्नी,** पीजीइएक्सपी

गोल्ड मेडल पाकर प्रफुल्लित हूं, मैं अपनी खुशी शब्दों में बयां नहीं कर सकती और मुझसे भी ज्यादा मेरे घरवाले खुश हैं।

अपराजिता राय, पीजीईएक्सपी

आइआइएम के बारे में अगर मैं कुछ कहना चाहूं तो शब्द कम पड़ जाएंगे। यहां से पढ़ कर मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और मैंने उसे अपने प्रैक्टिकल जीवन में भी उतारा, यहां पढ़ाई का शानदार अनुभव रहा ।

कुंदन कुमार, पीजीईएक्सपी

इन्हे भी मिली विशेष उपाधि

जतिंदर मोदी, रचना राधाकृष्णन, आदित्य अशोक कुमार गोलबंदी, अतिशय जैन, फराज अहमद अहमद शाद।

Dainik Jagran, 16.03.2018, Pg. 4